Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________

   (Name) ____________

2. (Signature) ____________

   (Name) ____________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________

(In words)

J 0 3 6 1 8

PAPER - II
ASSAMESE

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

ASSAMESE
অসমীয়া
PAPER - II
প্ৰশ্নকাকত - II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

টোকা : এই প্ৰশ্নকাকতত **এশটা (100)** টা বহুবিকল্পীয় প্ৰশ্ন আছে। প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ মূল্যাংক **দুই (2)**। **সকলো** প্ৰশ্ন **বাধ্যতামূলক**।

তলৰ **1** ৰ পৰা **20** নং প্ৰশ্নলৈকে **চাৰিটা** বিকল্প উত্তৰ দিয়া আছে। **শুদ্ধ** উত্তৰটো বাছি উলিওৱাঁ।

1. 'ৰমণী গাভৰু' আৰু 'কোঁৱৰ বিদ্ৰোহ'ৰ ৰচক :
   (1) বেণুধৰ ৰাজখোৱা (2) পদ্মনাথ গোহাঞি বৰুৱা
   (3) বেণুধৰ শৰ্মা (4) সূৰ্য্য কুমাৰ ভূঞা

2. ৰুদ্ৰৰাম বৰদলৈয়ে তলৰ কোনখন সামাজিক নাটক ৰচনা কৰি আধুনিক অসমীয়া নাটকৰ বাট মুকলি কৰাত বিশিষ্ট বৰঙনি আগবঢ়াইছিল?
   (1) বিবাহ ৰহস্য (2) ৰাম নৱমী
   (3) কানীয়া কীৰ্তন (4) বঙাল-বঙালনী নাটক

3. 'A Descriptive Catalogue of Assamese Manuscripts' গ্ৰন্থখনিৰ ৰচক হ'ল :
   (1) মহেন্দ্ৰ বৰা (2) লীলা গগৈ (3) হেমচন্দ্ৰ গোস্বামী (4) সৰ্বেশ্বৰ কটকী

4. কামৰূপত 'জোৰানাম'ক বোলা হয় :
   (1) বিয়া নাম (2) খিচা গীত (3) দৰা আদৰা গীত (4) নামতী গীত

5. ধ্ৰুপদী (Classical) সংগীতৰ বৈশিষ্ট্য থকা গীতবিধ হৈছে :
   (1) বাৰমাহী গীত (2) বৰগীত (3) টোকাৰী গীত (4) জিকিৰ

6. 'দুয়ো কথা শুনিবাৰ মোৰ মনে লাগে।
   তথাপিতো ৰামকথা কহিয়োক আগে।।'
   -উদ্ধৃত পদফাকি তলৰ কোনখন গ্ৰন্থৰ অন্তৰ্ভূক্ত?
   (1) বভ্ৰুবাহনৰ যুদ্ধ (2) লৱকুশৰ যুদ্ধ (3) কুৰুক্ষেত্ৰৰ যুদ্ধ (4) তাম্ৰধ্বজৰ যুদ্ধ

7. ''মইতো নিজেই পিতৃ। জন্ম দিছোঁ সহস্ৰ সন্তান
   কৰিছোঁ পালন সিহঁতক।''
   -এই কবিতাফাকিৰ ৰচক :
   (1) হৰেকৃষ্ণ ডেকা (2) নৰকান্ত বৰুৱা (3) হৰি বৰকাকতি (4) নীলমণি ফুকন

8. 'Transcreation' শব্দটোৰ অসমীয়া প্ৰতিশব্দ হৈছে :

(1) অনুলিখন (2) অনুসৃজন (3) পুনঃসৃজন (4) ৰূপান্তৰকৰণ

9. 'চাংৰুংফুকনৰ বুৰঞ্জী' তলৰ কোন শ্ৰেণীৰ সাহিত্যৰ অন্তৰ্গত?

(1) চিকিৎসা বিধান বিষয়ক সাহিত্য (2) নীতিশিক্ষা বিষয়ক সাহিত্য

(3) ব্যৱহাৰিক সাহিত্য (4) ৰাজ বিষয়ক সাহিত্য

10. পুৰণি অসমীয়া বৈষ্ণৱ কবিতাৰ ঠাঁচত খ্ৰীষ্টধৰ্মৰ বাণী প্ৰচাৰৰ চেষ্টাৰে অৰুনোদই কাকতত লিখা কবিজন হৈছে :

(1) বাতিৰাম দাস (2) কিনাৰাম সত্ৰীয়া

(3) আত্মাৰাম শৰ্মা (4) নিধি লিৱাই ফাৰোৱেল

11. তলৰ কোনজন গ্ৰন্থকাৰে পীতাম্বৰ কবিক 'পীতাম্বৰ দাস' বুলি উল্লেখ কৰিছে ?

(1) দেবানন্দ ভৰালি (2) কনকলাল বৰুৱা (3) বাণীকান্ত কাকতি (4) মহেশ্বৰ নেওগ

12. ''অস্তিত্ব সাৰবস্তুতকৈ অগ্ৰৱৰ্তী'' (Existence precedes essence) -এই বাক্যশাৰী কোনটো মতবাদৰ লগত সম্পৰ্কযুক্ত ?

(1) অস্তিত্ববাদ (2) অৱস্থিতিবাদ (3) অধিবাস্তৱবাদ (4) বাস্তৱবাদ

13. গাৰ্থিয়া লৰকাৰ কবিতা, চীনা কবিতা আৰু জাপানী কবিতা তলৰ কোনগৰাকী কবিয়ে অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰিছে?

(1) নৱকান্ত বৰুৱা (2) হেম বৰুৱা (3) ৰবীন্দ্ৰ সৰকাৰ (4) নীলমণি ফুকন

14. ঘুমেখাইতী, কাঞ্চনমতী, ভেঁহেৰী, সথ্‌লী আদি কোন ভাষা/উপভাষাৰ শব্দ?

(1) গোৱালপৰীয়া উপভাষা (2) দেউৰী ভাষা

(3) মধ্য অসমৰ উপভাষা (4) কামৰূপী উপভাষা

15. ''ভাষাৰ মৌলিক নীতিসমূহৰ বহুখিনি সাৰ্বজনীন'' বাক্যশাৰীৰ বক্তাজন হৈছে :

(1) ফাৰ্ডিনাণ্ড দ্য ছছ্যুৰ (2) লিওনাৰ্ড ব্লুমফিল্ড

(3) নৌম চমস্কি (4) ইউজিন নিডা

16. ''অসমীয়া ভাষাত দ্ৰাবিড় ভাষাৰ মূৰ্ধন্য ধ্বনিৰ উচ্চাৰণত বাধা প্ৰদান কৰা প্ৰভাৱৰ ভিতৰত তিব্বতবৰ্মীয় প্ৰভাৱ আছে।'' - এই মন্তব্যটি প্ৰকাশ কৰা বক্তাজন হৈছে :

(1) উপেন্দ্ৰনাথ গোস্বামী (2) গোলোকচন্দ্ৰ গোস্বামী

(3) প্ৰমোদচন্দ্ৰ ভট্টাচাৰ্য্য (4) ছাৰ জৰ্জ গ্ৰিয়াৰ্ছন

17. 'ৰামধেনু' আলোচনীৰ চতুৰ্থগৰাকী সম্পাদক হৈছে :

(1) ইন্দ্ৰকমল বেজবৰুৱা (2) মহেশ্বৰ নেওগ

(3) কীৰ্তিনাথ হাজৰিকা (4) বীৰেন্দ্ৰ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্য

18. তলৰ কোনটো মিত্ৰবৰ্ণ সংকেত ছেক্সপীয়েৰীয় চনেটৰ আদৰ্শ আৰ্হি?

(1) ক-খ-খ-ক, ক-খ-খ-ক, গ-ঘ-গ, ঘ-গ-ঘ

(2) ক-খ-খ-ক, ক-খ-খ-ক, গ-ঘ-ঙ, গ-ঘ-ঙ

(3) ক-খ-খ-ক, ক-খ-খ-ক-গ-ঘ-গ, গ-ঘ-গ

(4) ক-খ-খ-ক, গ-ঘ-ঘ-গ, চ-ছ, চ-ছ, জ-জ

19. গাৰোৱান, কচোৱান, দাৰোৱান আদি শব্দকেইটি তলৰ কোন শ্ৰেণীৰ শব্দৰ ভিতৰত ধৰা হয়?

(1) মিশ্ৰ শব্দ (2) বিদেশী শব্দ (3) আৰবী-ফাৰ্চী শব্দ (4) হিন্দী ভাষাৰ শব্দ

20. এ.কে. গাৰ্নিয়ে অনুবাদ কৰা 'পুৰণী নিয়ম' (Old Testament) ৰ মূল ভাষাটো কি আছিল?

(1) ইংৰাজী ভাষা (2) হিব্ৰু ভাষা (3) ফৰাচী ভাষা (4) গ্ৰীক ভাষা

তলৰ **21** ৰ পৰা **35** লৈ প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ লগত **চাৰিটাকৈ** বিকল্প দিয়া আছে। এই বিকল্পসমূহৰ মাজত **দুটা** বা **ততোধিক** শুদ্ধ বিকল্প আছে। **শুদ্ধ** বিকল্পৰ সমূহ বা থূলটো বিচাৰি উলিওৱাঁ।

21. পৰিৱেশ-প্ৰধান গল্পৰ থূল :

(a) কন্যা (b) বৃন্দাবন

(c) পোৰা গাঁৱত পহিলা বহাগ (d) কাঠনি বাৰীৰ ঘাট

(1) (a), (d) (2) (a), (b) (3) (b), (c) (4) (b), (d)

22. ডিম্বেশ্বৰ নেওগৰ দ্বাৰা প্ৰণীত দুখন গ্ৰন্থ :

(a) 'New Light on the History of Assamese Literature'

(b) 'Origin and Growth of the Assamese Language and Literature'

(c) 'The Origin and Growth of the Assamiya Language'

(d) 'Aspects of Early Assamese Literature'

(1) (a), (d) (2) (b), (d) (3) (a), (c) (4) (a), (b)

23. মাধৱদেৱৰ জীৱনভিত্তিক অসমীয়া উপন্যাসৰ থূল :

(a) যাকেৰি নাহিকে উপাম (b) সেহি গুণনিধি

(c) বন্ডুকা বেহাৰ (d) সেহি সব্যসাচী

(1) (b), (c) (2) (a), (b) (3) (a), (d) (4) (c), (d)

24. দুখন আঞ্চলিক উপন্যাসৰ থূল :

(a) নীলকণ্ঠী ব্ৰজ (b) কপিলীপৰীয়া সাধু

(c) অসীমত যাৰ হেৰাল সীমা (d) পাহাৰৰ শিলে শিলে

(1) (b), (c) (2) (a), (d) (3) (a), (b) (4) (b), (d)

25. একেধাৰে ঔপন্যাসিক আৰু লোক-সংস্কৃতিবিদ :

(a) বীৰেন্দ্ৰনাথ দত্ত (b) বাণীকান্ত কাকতি

(c) প্ৰফুল্লদত্ত গোস্বামী (d) বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱা

(1) (a), (b) (2) (c), (d) (3) (a), (d) (4) (b), (c)

26. পদ্মনাথ গোহাঞি বৰুৱাই সম্পাদনা কৰা বাতৰিকাকত/আলোচনীৰ থূল :

(a) আসাম বন্ধু (b) ঊষা (c) আসাম বিলাসিনী (d) অসম বন্তি

(1) (a), (b) (2) (b), (c) (3) (c), (d) (4) (b), (d)

27. খেতিৰ সামৰণিৰ সৈতে জড়িত উৎসৱৰ থূল :

(a) ছংখাং (b) ছগ্ৰামিছাৱা (c) হাচাকেকান (d) লখিমী সবাহ

(1) (a), (c) (2) (a), (d) (3) (b), (d) (4) (b), (c)

28. মাথোন মহিলাই অংশগ্ৰহণ কৰা উৎসৱ :

(a) তীজ (b) হুদুম পূজা (c) টুছু (d) ৰংকেৰ

(1) (a), (b), (c) (2) (a), (b), (d) (3) (b), (c), (d) (4) (a), (c), (d)

29. পঞ্চম শতিকাৰ শিলালিপিৰ থূল :

(a) উমাচল শিলালিপি (b) কানাই বৰশীবোৱা শিলালিপি

(c) নগাজৰী খনিকৰ গাঁৱৰ শিলালিপি (d) ভাস্কৰবৰ্মাৰ শিলালিপি

(1) (a), (b) (2) (b), (c) (3) (a), (c) (4) (c), (d)

30. নাগৰ শৈলীৰ স্থাপত্যৰ নিদৰ্শন :

(a) জয়সাগৰৰ নাতি গোসাঁইৰ দ'ল (b) শিৱসাগৰৰ শিৱদ'ল

(c) শিৱসাগৰৰ দেৱীদ'ল (d) জয়সাগৰৰ জয়দ'ল

(1) (b), (c), (d) (2) (a), (b), (c) (3) (a), (b), (d) (4) (a), (b)

31. ঐতিহাসিক ভাষাবৈজ্ঞানিক দৃষ্টিভংগীৰে প্ৰণয়ন কৰা গ্ৰন্থ :

(a) অসমীয়া ভাষাৰ মৌলিক বিচাৰ আৰু সাহিত্যৰ চানেকি

(b) অসমীয়া ভাষাৰ ব্যাকৰণ

(c) অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী

(d) অসমীয়া ব্যাকৰণ আৰু ভাষাতত্ত্ব

(1) (a), (b), (c) (2) (a), (c), (d) (3) (a), (b) (4) (a), (d)

32. তুলনামূলক সাহিত্য অধ্যয়নৰ লগত জড়িত তাত্ত্বিকৰ থূল :

(a) Rene Wellek (b) Virginia Woolf

(c) Henry Gifford (d) M.H. Abrams

(1) (a), (c) (2) (a), (b) (3) (b), (d) (4) (b), (c)

33. অসমীয়া ভাষাক মাতৃভাষা হিচাপে ব্যৱহাৰ কৰা মিচিং আৰু দেউৰী জনগোষ্ঠীৰ ফৈদৰ থূল :

(a) দিবঙীয়া (b) বংকোৱাল (c) বৰগঞা (d) চায়াং

(1) (a), (c) (2) (b), (c) (3) (b), (d) (4) (a), (b)

34. অসমীয়া কৃৎ-প্ৰত্যয়যুক্ত শব্দৰ থূল :

(a) খোজনীয়া (b) লগৰীয়া (c) তলতীয়া (d) সাঁচতীয়া

(1) (a), (b), (c) (2) (c), (d) (3) (b), (c), (d) (4) (a), (d)

35. মহেন্দ্ৰ বৰাৰ ছন্দ বিষয়ক ৰচনাৰ থূল :

(a) ছন্দ আৰু অলংকাৰ (b) অসমীয়া ছন্দৰ শিল্পতত্ত্ব

(c) অসমীয়া কবিতাৰ ছন্দ (d) অসমীয়া ছন্দশিল্পৰ ভূমিকা

(1) (a), (b), (d) (2) (b), (c) (3) (c), (d) (4) (b), (d)

তলৰ **36** ৰ পৰা **55** লৈ দিয়া **উক্তি (Assertion)** আৰু **যুক্তি (Reason)** হিচাপে উল্লেখ কৰা বিবৃতি দুটাৰ বিষয়ে (1), (2), (3), (4) ৰ পৰা **শুদ্ধ** উত্তৰটো বাছি উলিওৱাঁ।

36. **উক্তি :** আধুনিকতাবাদীসকলে ঐতিহ্য তথা পৰম্পৰাৰ পৰা আঁতৰি আহিছে যদিও আধুনিক যুগটোক তেওঁলোকে প্ৰশংসা কৰিছে।

যুক্তি : আধুনিক মানুহৰ মানসিকতাই আধুনিকতাবাদৰ বুনিয়াদ নিৰ্মাণ কৰিছে।

(1) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

37. **উক্তি :** লোক-সংস্কৃতিয়ে লোক শিক্ষাজনিত প্ৰকাৰ্য সাধন কৰে।

যুক্তি : লোক-সংস্কৃতিয়ে লোকজীৱনৰ সামগ্ৰিক ৰূপটোৰ প্ৰতিফলন ঘটায়।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

38. **উক্তি :** অৰুনোদই কাকতে অসমীয়া মানুহৰ লগত বহিৰ্বিশ্বৰ সম্পৰ্ক স্থাপন কৰিলে।

যুক্তি : অৰুনোদই কাকতে বিশ্বৰ চাৰিওলুটিৰ বাতৰি প্ৰকাশ কৰি অসমীয়া মানুহৰ জ্ঞানৰ দুৱাৰ মুকলি কৰিলে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

39. **উক্তি :** সংযুতিবাদৰ মতে পাঠৰ স্থিৰ অৰ্থ আছে।

যুক্তি : সাহিত্যৰ পাঠ ব্যাখ্যাতীত আৰু অনিৰ্বচনীয় সৃজন।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

40. **উক্তি :** মুক্তক কোনো নতুন ছন্দৰীতি নহয়, ই ছন্দসজ্জাহে।

যুক্তি : মুক্তক ছন্দত যৌগিক আৰু মাত্ৰাবৃত্ত দুয়োটা ছন্দসজ্জাৰ লক্ষণ পোৱা যায়।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

41. **উক্তি :** অসমীয়া ভাষাৰ নিৰ্দিষ্টতাবাচক প্ৰত্যয়বোৰৰ যথাযথ অপ্ৰয়োগে অৰ্থৰ ওপৰত প্ৰভাৱ পেলায়।

যুক্তি : নিৰ্দিষ্টতাবাচক প্ৰত্যয়বোৰে নতুন অৰ্থবাচক শব্দ গঠন কৰে আৰু শব্দটোৰ মৌলিক অৰ্থৰ পৰিৱৰ্তন ঘটায়।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

42. **উক্তি :** স্বৰধ্বনি নমনীয় (Elasticity) গুণবিশিষ্ট কিন্তু ব্যঞ্জনধ্বনি তেনে নহয়।

যুক্তি : ব্যঞ্জনধ্বনিৰ আশ্ৰয়তহে স্বৰধ্বনিৰ উচ্চাৰণ হয় আৰু স্বৰধ্বনিয়ে হ্ৰস্ব-দীৰ্ঘ, সুৰ আদি বহন কৰে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

43. 'আৰু এক নদী আছে বয় তীক্ষ্ণ ধাৰে।
কাল বিকাল দুটি পক্ষী ইপাৰে সিপাৰে।।'

উক্তি : উক্ত গীতফাকিৰ ভাবাৰ্থ হৈছে-কাল-বিকাল পক্ষী দুটি হ'ল জীৱাত্মা আৰু পৰমাত্মা। জীৱাত্মাই ভৱনদী পাৰ হৈ পৰমাত্মাৰ সঙ্গ বিচাৰে।

যুক্তি : কাল-বিকাল সদৃশ পক্ষী দুটি মানুহৰ অন্তৰত ভৱনদীৰ দৰে বৈ থাকে আৰু ইহকাল আৰু পৰকালৰ ব্যৱধান নিৰ্ণয় কৰিছে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

44. **উক্তি :** জীৱনীকাৰে নায়কৰ চিঠি-পত্ৰ-ডায়েৰীৰ আটাইবোৰ কথাকে জীৱনীত স্থান দিব লাগে।

যুক্তি : চিঠি-পত্ৰ-ডায়েৰী হৈছে এগৰাকী ব্যক্তিৰ জীৱনৰ সবাতোকৈ গ্ৰহণযোগ্য প্ৰমাণ স্বৰূপ।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

45. **উক্তি :** আধ্যাত্মিক জীৱন আৰু বাস্তৱ সভ্যতাৰ লগত জাতীয় সংস্কৃতিৰ অঙ্গাঙ্গী সম্বন্ধ।

যুক্তি : জাতীয় সংস্কৃতিয়ে কোনো জাতিৰ জাতীয় জীৱন আৰু আধ্যাত্মিক জীৱনক সামৰি লয়।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

46. **উক্তি :** মোৰ বাবে তুমি
নুৰুবা মালতী ফুল।
জীৱনত কিয়
মিছাতে লগোৱা ভুল।।
- ইয়াত বৃত্তানুপ্ৰাস অলংকাৰ সাধিত হৈছে।

যুক্তি : সদৃশ বৰ্ণৰ দুবাৰ প্ৰয়োগ ঘটি ধ্বনি ব্যঞ্জনাৰ সৃষ্টি কৰিছে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

47. **উক্তি :** ''ৰামে ৰাৱনক মাৰি সীতাক উদ্ধাৰ কৰিছিল।'' - এই বাক্যটি অসমাপিকা ক্ৰিয়াযুক্ত বাক্য।

যুক্তি : বাক্যটিত 'ৰামে ৰাৱনক মাৰি' অংশই এটা কাৰ্য শেষ কৰা বুজাইছে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

48. **উক্তি :** ''ধানপুৰীয়া কঁঠাল, পাতৰ তলত লুকাল।'' - এই পটন্তৰটিৰ বাচ্যাৰ্থ হৈছে - গুৰুত্ব পাবলগা ব্যক্তি এজনে গুৰুত্ব নোপোৱাকৈ থাকি গ'ল।

যুক্তি : এপুৰা ধান দি সলাব পৰা কঁঠাল এটা অকলেই খাব পৰা শকট আৰত মানুহ এজনক ধানপুৰীয়া কঁঠালৰ লগত তুলনা কৰিছে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ (4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

49. **উক্তি :** অসমীয়া ভাষাৰ বচনবাচক সৰ্গসমূহ অৰ্থগত দিশৰ পৰা ব্যাকৰনগত।

যুক্তি : মানুহবোৰ, মানুহবিলাক আদি ৰূপৰ বোৰ, বিলাক আঁতৰাই দিলে বাক্যবিন্যাসত কোনো খেলিমেলি নহয়; কিন্তু একবচনৰ পৰা বহুবচন অৰ্থ প্ৰকাশ কৰিবলৈ এই সৰ্গবোৰৰ প্ৰয়োজন।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ (2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

50. **উক্তি :** অসমীয়া লিপিৰ মূল ভাৰতীয় লিপিৰ ঠাল যদিও এই লিপিৰ আৰ্হিয়ে এক স্বকীয় ৰূপ পৰিগ্ৰহ কৰিছে।

যুক্তি : অসমীয়া লিপি সাঁচিপাত আৰু তুলা পাতত লিখা হৈছিল।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ (2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ (4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

51. **উক্তি :** আৰ্যসকলৰ আগমনত ভাৰতবৰ্ষত এটা নতুন যুগৰ সূচনা হয়।

যুক্তি : আৰ্য সংস্কৃতিয়ে ভাৰতৰ প্ৰজাতীয় ইতিহাসৰ যুগান্তৰকাৰী পৰিৱৰ্তনত অৰিহনা যোগালে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ (2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ

(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

52. **উক্তি :** গঠনবাদক মানৱ জাতিৰ বিজ্ঞান বোলা হয়।

যুক্তি : গঠনবাদে মানুহৰ কৰ্ম, চিন্তা আৰু অনুভূতিৰ গঠনক একগোট কৰে।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (2) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ (4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

53. **উক্তি :** ত, থ, দ, ধ, ন ধ্বনিক দন্তমূলীয় স্পৰ্শ ধ্বনি বোলা হয়।

যুক্তি : জিভাৰ আগেৰে দাঁতৰ আলুত স্পৰ্শ কৰি হাওঁফাওৰ পৰা ওলোৱা বহিৰ্গামী বায়ুপ্ৰবাহৰ চাপ ক্ষন্তেকৰ বাবে ৰোধ কৰি পুনৰ এৰি দি উক্ত ধ্বনি উচ্চাৰণ কৰা হয়।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

54. **উক্তি :** বাঁহগছৰ লগত মংগোলীয়সকলৰ দৈনন্দিন জীৱনৰ বিশেষ সম্বন্ধ।

যুক্তি : মংগোলীয়সকলৰ খাদ্যাভাসত বাঁহৰ ব্যৱহাৰ অপৰিহাৰ্য।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(3) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

55. **উক্তি :** আহোম যুগত গঢ় লৈ উঠা অসমৰ শিল্পৰীতিক আৰ্য শিল্প পদ্ধতি বুলি আখ্যা দিব পাৰি।

যুক্তি : আহোমসকলে ঘৰবাৰী সজাৰ ক্ষেত্ৰত আৰ্যসকলৰ শিল্পৰীতি অনুসৰণ কৰিছিল।

(1) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ
(2) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(3) **উক্তি** শুদ্ধ ; **যুক্তি** শুদ্ধ
(4) **উক্তি** অশুদ্ধ ; **যুক্তি** অশুদ্ধ

তলৰ **56** ৰ পৰা **70** লৈ দিয়া বিষয়সমূহ লগত দিয়া নিৰ্দেশনাৰ আধাৰত সজাই (1), (2), (3), (4) গোটৰ পৰা **শুদ্ধ** ক্ৰমটো নিৰ্ণয় কৰা।

56. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) অসমীয়া ভাষা সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী
(b) অসমীয়া সাহিত্যৰ ইতিবৃত্ত
(c) অসমীয়া সাহিত্যৰ ৰূপৰেখা
(d) আধুনিক অসমীয়া সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী

(1) (a), (b), (c), (d)
(2) (d), (b), (a), (c)
(3) (a), (d), (b), (c)
(4) (b), (c), (a), (d)

57. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) The Origin and Development of the Bengali Language.
(b) Assamese, its Formation and Development.
(c) A Few Remarks on the Assamese Language and Vernacular Education in Assam.
(d) A Report on the Province of Assam.

(1) (d), (c), (a), (b)
(2) (c), (d), (a), (b)
(3) (b), (d), (c), (a)
(4) (a), (c), (d), (b)

58. জ্যেষ্ঠতাৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজোৰাঁ :

(a) বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱা (b) বাণীকান্ত কাকতি
(c) প্ৰফুল্লদত্ত গোস্বামী (d) বীৰেন্দ্ৰনাথ দত্ত

(1) (b), (a), (c), (d) (2) (a), (b), (c), (d)
(3) (c), (a), (b), (d) (4) (a), (c), (d), (b)

59. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৰাঁ :

(a) অসমৰ সংস্কৃতি (b) বাৰ মাহৰ তেৰ গীত
(c) অসমীয়া জন সাহিত্য (d) অসমৰ লোক-সংস্কৃতিৰ আভাস

(1) (c), (b), (a), (d) (2) (a), (b), (c), (d)
(3) (d), (c), (b), (a) (4) (c), (a), (b), (d)

60. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৰাঁ :

(a) অঘৰী আত্মাৰ কাহিনী (b) সেউজী পাতৰ কাহিনী
(c) কেঁচা পাতৰ কঁপনি (d) ভাৱৰ আৰু নাই

(1) (d), (a), (b), (c) (2) (a), (d), (c), (b)
(3) (b), (d), (a), (c) (4) (c), (b), (d), (a)

61. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৰাঁ :

(a) মণিদীপ (b) ৰামধেনু (c) পছোৱা (d) প্ৰকাশ

(1) (a), (c), (b), (d) (2) (c), (a), (d), (b)
(3) (c), (b), (a), (d) (4) (b), (c), (a), (d)

62. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৰাঁ :

(a) সুগন্ধি পখিলা (b) সূৰ্য হেনো নামি আহে এই নদীয়েদি
(c) হে অৰণ্য হে মহানগৰ (d) ব্ৰহ্মপুত্ৰ ইত্যাদি পদ্য

(1) (c), (b), (d), (a) (2) (a), (b), (d), (c)
(3) (b), (a), (c), (d) (4) (c), (b), (a), (d)

63. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুযায়ী সজোৰাঁ :

(a) বায়নৰ খোল (b) শ্ৰী নিবাৰণ ভট্টাচাৰ্য (c) মগৰীবৰ আজান (d) জৰৌৰৌৰা পৰজা

(1) (b), (c), (a), (d) (2) (c), (b), (a), (d)
(3) (c), (a), (d), (b) (4) (b), (a), (c), (d)

64. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি তলৰ গল্প সংগ্ৰহকেইটা একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) পৰশমণি (b) বাজিকৰ (c) বাঘে টাপুৰ ৰাতি (d) গোলাম

(1) (b), (d), (a), (c) (2) (b), (a), (d), (c)

(3) (a), (b), (c), (d) (4) (a), (d), (b), (c)

65. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) Early History of Kamrupa (b) The Mother Goddess Kamakhya

(c) Cultural History of Assam (d) Linguistic Survey of India

(1) (d), (a), (b), (c) (2) (d), (b), (a), (c)

(3) (a), (b), (d), (c) (4) (b), (a), (c), (d)

66. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) অসমীয়া ভাষাৰ উদ্ভৱ, সমৃদ্ধি আৰু বিকাশ

(b) অসমীয়া ভাষাৰ গঠন আৰু বিকাশ (অনু.)

(c) অসমীয়া ভাষাৰ মৌলিক বিচাৰ আৰু সাহিত্যৰ চানেকি

(d) অসমীয়া ব্যাকৰণ আৰু ভাষাতত্ত্ব

(1) (a), (b), (c), (d) (2) (c), (a), (b), (d)

(3) (c), (d), (a), (b) (4) (d), (a), (b), (c)

67. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) A Study to Phonology and Vocabulary of the Assamese Language

(b) Studies in Assamese Vocabulary

(c) An Introduction to Assamese

(d) Assamese Language : Origin and Development

(1) (a), (c), (d), (b) (2) (a), (d), (b), (c)

(3) (d), (c), (b), (a) (4) (c), (b), (d), (a)

68. উদ্ভৱকালৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) অধিবাস্তৱবাদ (b) প্ৰকৃতিবাদ (c) বাস্তৱবাদ (d) যাদুকৰী বাস্তৱবাদ

(1) (a), (b), (c), (d) (2) (c), (b), (a), (d)

(3) (d), (b), (a), (c) (4) (b), (c), (a), (d)

69. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত সজোৱাঁ :

(a) প্ৰাচ্য-শাসনাৱলী (b) অসমীয়া প্ৰাচীন লিপি

(c) অসমীয়া লিপি (d) The Evolution of Assamese Script

(1) (a), (b), (c), (d) (2) (b), (d), (c), (a)

(3) (b), (a), (d), (c) (4) (b), (d), (a), (c)

70. প্ৰথম প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ :

(a) অসমীয়া ইংৰাজি অভিধান (b) আধুনিক অসমীয়া অভিধান

(c) শৰাইঘাট অভিধান (d) ব্যৱহাৰিক অসমীয়া অভিধান

(1) (a), (b), (d), (c) (2) (d), (b), (a), (c)

(3) (d), (c), (b), (a) (4) (a), (b), (c), (d)

তলৰ **71** ৰ পৰা **90** লৈ দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ **'ক' স্তম্ভত** দিয়া বিষয়ৰ লগত সম্পৰ্ক থকা **'খ' স্তম্ভত** থকা বিষয়সমূহ মিলাই (1), (2), (3), (4) এই চাৰিটা বিকল্প দেখুওৱা হৈছে। এই সমূহৰ মাজৰ পৰা **শুদ্ধ** বিকল্পটো চিহ্নিত কৰাঁ।

71.

	'ক' স্তম্ভ		**'খ' স্তম্ভ**
(a)	বীণা বৰুৱা	(i)	পুতলা নাচ
(b)	সত্যপ্ৰসাদ বৰুৱা	(ii)	এবেলাৰ নাট
(c)	ভূপেন হাজৰিকা	(iii)	ভাস্বতী
(d)	ভবেন্দ্ৰনাথ শইকীয়া	(iv)	এৰাবাটৰ সুৰ

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

72.

	'ক' স্তম্ভ		**'খ' স্তম্ভ**
(a)	জ্ঞান পূজাৰী	(i)	ধূলিয়ৰি ভৰিৰ সাঁচ
(b)	কবীন ফুকন	(ii)	মেঘমালাৰ ভ্ৰমণ
(c)	কেশৱ মহন্ত	(iii)	মোৰ যে কিমান হেপাহ
(d)	ৰবীন্দ্ৰ সৰকাৰ	(iv)	এই অনুৰাগী এই উদাস

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

73. 'ক' স্তম্ভ | 'খ' স্তম্ভ

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা	(i)	শ্ৰী শ্ৰী শঙ্কৰদেৱ
(b)	ডিম্বেশ্বৰ নেওগ	(ii)	হৰিহৰ আতা
(c)	সূৰ্য্যকুমাৰ ভূঞা	(iii)	যুগনায়ক শঙ্কৰদেৱ
(d)	মহেশ্বৰ নেওগ	(iv)	শ্ৰী শঙ্কৰদেৱ আৰু শ্ৰী মাধৱদেৱ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

74.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	পয়চাংকেন	(i)	ধৰ্মীয় উৎসৱ
(b)	চমাংকান	(ii)	শ্ৰাদ্ধানুষ্ঠান
(c)	গেৰবা	(iii)	নৃত্য প্ৰধান কৃষি উৎসৱ
(d)	নংক্ৰেম	(iv)	ভগৱানক ভোগ দিয়া কৃষি উৎসৱ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

75.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	হোৰেছ	(i)	Ars Poetica
(b)	লন্‌জাইনাছ	(ii)	On the Sublime
(c)	প্লেটো	(iii)	Laws
(d)	এৰিষ্টটল	(iv)	The Politics

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

76. 'ক' স্তম্ভ | 'খ' স্তম্ভ

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	ৰূপৰ টিলিঙাৰ মাত	(i)	হীৰেন্দ্ৰনাথ দত্ত
(b)	সম্রাট	(ii)	নৱকান্ত বৰুৱা
(c)	সোমধিৰিৰ সোঁৱৰণী	(iii)	মহেন্দ্ৰ বৰা
(d)	জোনাকী মন	(iv)	হীৰেন ভট্টাচাৰ্য

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

77.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	গৰীয়সী	(i)	হোমেন বৰগোহাঞি
(b)	প্ৰান্তিক	(ii)	শান্তনু তামুলী
(c)	মৌচাক	(iii)	হৰেকৃষ্ণ ডেকা
(d)	সাতসৰী	(iv)	প্ৰদীপ বৰুৱা

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

78.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	কোল-মুণ্ডা	(i)	কুকিচীন শাখা
(b)	মেইতেই	(ii)	অষ্ট্ৰ-এচিয়াটিক
(c)	ত্ৰিপুৰী	(iii)	তিব্বতবৰ্মী শাখা
(d)	খাময়াং	(iv)	শ্যাম-চীনীয় শাখা

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

79. **'ক' স্তম্ভ** **'খ' স্তম্ভ**

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	গৰু কিনিবা চিত পখৰা তাক মোলাবা একে আষৰা	(i)	যোজনা
(b)	বামুন হৈ নবধে গাই ভকত হৈ নেমাৰে ভাই	(ii)	সাঁথৰ
(c)	মাকে শলাগে জী বাপেকে শলাগে জী চা-চুবুৰীয়াই যাক শলাগিব সেয়ে মাকৰ জী	(iii)	ডাকৰ বচন
(d)	ক আইটি টপৰাই কাটি নিলে বাঢ়ি যায়।	(iv)	ফকৰা

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

80.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	বসন্তৰঞ্জন ৰায়	(i)	মনসা কাব্য
(b)	নগেন্দ্রনাথ বসু	(ii)	শ্রীকৃষ্ণ কীর্ত্তন
(c)	প্রণৱজ্যোতি ডেকা	(iii)	শূন্য পুৰান
(d)	নবীনচন্দ্র শর্মা	(iv)	চর্যাপদ আৰু বৌদ্ধতন্ত্র

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

81.

	'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a)	Resonance	(i)	অনুৰণন
(b)	Adaptation	(ii)	অনুকুলন
(c)	Reception	(iii)	অভিযোজন
(d)	Innovation	(iv)	সংগ্রহণ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

82. 'ক' স্তম্ভ — 'খ' স্তম্ভ

'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ	
(a)	আঙ্গুলি, কাহ্নু, তেন্তেলি	(i)	মালয়
(b)	তুইল্লা টেঙা, মথ ফল, তেল-ভৌকা	(ii)	ফাৰ্চী
(c)	খানচামা, বিৰিয়ানি, ডেক্‌চি	(iii)	কামৰূপী উপভাষা
(d)	লাওপানী, জহামাল, গেৰেকনি	(iv)	চৰ্য্যাপদ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

83.

'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ	
(a)	সজ্জন	(i)	পূৰ্ব-প্ৰত্যয়
(b)	কেনেকৈ	(ii)	নাম ধাতু
(c)	আঙুলিয়া	(iii)	পৰাগত সমীভৱন
(d)	উপদ্বীপ	(iv)	ক্ৰিয়া বিশেষণ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

84.

'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ	
(a)	অসমীয়া ভাষাৰ ৰূপকথা	(i)	গোলোকচন্দ্ৰ গোস্বামী
(b)	ব্যাকৰণ আৰু প্ৰাকৃতি বিজ্ঞান	(ii)	লীলাৱতী শইকীয়া বৰা
(c)	অসমীয়া ভাষাৰ ৰূপতত্ত্ব	(iii)	উপেন্দ্ৰনাথ গোস্বামী
(d)	অসমীয়া ব্যাকৰণৰ মৌলিক বিচাৰ	(iv)	ৰমেশ পাঠক

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

85. 'ক' স্তম্ভ | 'খ' স্তম্ভ

(a) ব্ৰহ্মাদেৱ বহি আছে চমৎকাৰ কৰি
আদি পূবত বসিলা ইন্দ্ৰ যম দক্ষিণত।। | (i) কথাগীতা

(b) যেন মনুষ্য জীৰ্ণ বস্ত্ৰক পৰিত্যাগ কৰি,
নবীন বস্ত্ৰক গ্ৰহণ কৰে, এমনে
আমাৰো পুৰান দেহক এড়ি নবীন
দেহক স্বীকাৰ কৰো। | (ii) গুৰুচৰিত কথাৰ গদ্য

(c) পাচে আমাৰো গড় তিয়াৰ কৰি
বোলে হাত চাৰি লাদকো
নিদিও, আগৰ কাঠ চাৰি
জগা কাঠকো নিদিও। | (iii) মন্ত্ৰপুথিৰ গদ্য

(d) কলিঙ্গ দেশৰ ৰজাৰ মুখত
বেথা ৰোগ হ'ল। পাছে দুখত
ৰাজা এনে অঙ্গীকাৰ কৰিলে
বোলে মোৰ ব্যাধি যেএ
চাব পাৰে তাকে মোৰ
অৰ্দ্ধ ৰাজ্য দিম। | (iv) বুৰঞ্জীৰ গদ্য

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

86.

'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a) ভিডেশ্যেলী	(i)	পিতা-পুত্ৰ
(b) কলাই	(ii)	ইয়াৰুইঙ্গম
(c) শিৱনাথ	(iii)	সুৰুযমুখীৰ স্বপ্ন
(d) ইন্দ্ৰনাথ	(iv)	দঁতাল হাতীৰ উয়েঁ খোৱা হাওদা।

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

87.

'ক' স্তম্ভ		'খ' স্তম্ভ
(a) আকুল পথিক	(i)	নকুলচন্দ্ৰ ভূঞা
(b) ৰাম চৰিত	(ii)	ডিম্বেশ্বৰ নেওগ
(c) ব'হাগী	(iii)	ভদ্ৰসেন বৰা
(d) উছৱৰ ৰংচৰা	(iv)	অতুলচন্দ্ৰ হাজৰিকা

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

88. ‘ক’ স্তম্ভ ‘খ’ স্তম্ভ

(a)	J.D. Anderson	(i)	Some Assamese proverbs
(b)	V. Elwin	(ii)	Kachari Folk Tales and Rhyms
(c)	P.R.T. Gurdon	(iii)	The Angami Nagas
(d)	J.H. Hutton	(iv)	Myths of North East Frontier

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

89. ‘ক’ স্তম্ভ ‘খ’ স্তম্ভ

(a)	Dear Departed	(i)	দীন দুখী
(b)	As You Like it	(ii)	চেনেহৰ সোঁত
(c)	La Measurable	(iii)	চন্দ্ৰাৱলী
(d)	Taming of the Shrew	(iv)	দন্দুৰী দমন

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

90. ‘ক’ স্তম্ভ ‘খ’ স্তম্ভ

(a)	মাৰ্ক্সবাদ	(i)	আলেকজেণ্ডাৰ পোপ
(b)	নাৰীবাদ	(ii)	জাঁ পল ছাৰ্ট্ৰে
(c)	অস্তিত্ববাদ	(iii)	মেৰী ৱ’লষ্টনক্ৰাফ্‌ট্
(d)	ধ্ৰুৱবাদ	(iv)	ফ্ৰেডেৰিক এঙ্গেলাছ

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

তলত দিয়া কথাখিনি ভালদৰে পঢ়ি **91** ৰ পৰা **95** লৈকে সংলগ্ন প্ৰশ্নসমূহৰ **শুদ্ধ** উত্তৰ (1), (2), (3) আৰু (4) বিকল্প মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ।

মেক্সমূলাৰ (Max Müller) আদি বহুতো পণ্ডিতৰ মতে বেদান্ত দৰ্শনৰ সাৰমৰ্ম এষাৰ কথাৰেই প্ৰকাশ কৰিব পাৰি। এই কথাফাকি 'ব্ৰহ্ম সত্যং জগন্মিথ্যা জীৱো ব্ৰহ্মৈৱ নাপৰঃ।' অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মই একমাত্ৰ যথাৰ্থ সৎ বা সত্য, জগৎ মূলতঃ অসৎ বা প্ৰপঞ্চ, জীৱাত্মা ব্ৰহ্মৰ সৈতে অভেদ। এই কথাখিনিৰ প্ৰয়োজনীয় ব্যাখ্যা, আলোচনা, যুক্তি প্ৰদৰ্শন আৰু আন দাৰ্শনিক মতবোৰৰ খণ্ডন ইত্যাদি অদ্বৈত বেদান্ত দৰ্শনৰ বিষয়বস্তু। অদ্বৈত তত্ত্বমীমাংসাত কোৱা হৈছে যে, ব্ৰহ্ম বা আত্মাই কেৱল সত্য বা যথাৰ্থ সৎ। এওঁ জ্ঞানস্বৰূপ, নিৰ্বিশেষ অৰ্থাৎ বৌদ্ধিক প্ৰকাৰবিহীন আৰু নিৰ্গুণ, বিশুদ্ধ জ্ঞান বা চৈতন্যস্বৰূপ। ব্ৰহ্মই নিজস্ব শক্তি মায়া, মূলাবিদ্যাৰ যোগেদি অপৰব্ৰহ্ম বা সগুণ ব্ৰহ্ম বা ঈশ্বৰৰূপে অধিষ্ঠিত হৈ নিজৰ প্ৰপঞ্চ জগতৰ স্ৰষ্টা, পালক আৰু সংহাৰক ৰূপে আৱিৰ্ভাব হয়।

আত্ম আৰু বিষয়ৰ যৌগিক অৱস্থাই জীৱাত্মা বা জীৱ। জীৱৰ অন্তৰ্ভুক্ত আত্মা বা শুদ্ধ চৈতন্য সাক্ষীস্বৰূপ। তেওঁ কেৱল দ্ৰষ্টা। আনহাতে ব্যক্তিৰ বিষয় বা ভৌতিক অংশ তেজঃপ্ৰধান পঞ্চমহাভূতৰ দ্বাৰাই সংগঠিত আৰু ইয়াক অন্তঃকৰণ বা অন্তৰিন্দ্ৰিয় বোলে। অন্তঃকৰণ তেজঃপ্ৰধান কাৰণে ই জীৱক সুষুপ্ত অৱস্থাৰ বাহিৰে অনবৰত কাৰ্যতৎপৰ আৰু অশান্ত অৱস্থাত ৰাখে। ব্যক্তিত্ব আৰু জীৱৰ বৈশিষ্ট্যৰ মূল হেতু অবিদ্যা বা মায়া। অবিদ্যা বা মায়াৰ প্ৰভাৱত সাক্ষী বা অভোক্তা জীৱাত্মাই নিজকে কৰ্তা, ভোক্তা বুলি ভাৱে আৰু বিশ্ব জগতৰ একাত্মক নেদেখি নাম-ৰূপৰ নানাত্বকহে দেখে। অন্তৰিন্দ্ৰিয়ই প্ৰত্যক্ষ কাৰ্যত ইন্দ্ৰিয়বোৰৰ সংস্পৰ্শ বা সান্নিধ্যত অহা বাহ্য বস্তুৰ ৰূপ বা আকাৰত পৰিণত হয়। সাংখ্য-যোগ মনস্তত্ত্বতো বহিৰ্জগতৰ বস্তুবোৰ চিত্তবৃত্তিৰ প্ৰতিফলন মাথোন। জাৰ্মান দাৰ্শনিক কাণ্টৰ (Kant) মতেও ইন্দ্ৰিয়জাত সংবেদনৰপৰাই জ্ঞান হ'ব নোৱাৰে। বাহ্যজগতৰ জ্ঞান হ'বলৈ মনে অজ্ঞাতসাৰে বোধশক্তিৰ সহযোগত বৌদ্ধিক প্ৰকাৰবোৰ (দেশ, কাল আদি) আৰোপ কৰি দৃশ্য জগতৰ (phenomenal world) ৰূপ প্ৰদৰ্শন কৰে। কিন্তু বেদান্তৰ মতে সাক্ষীৰ উদ্দীপনত অন্তৰিন্দ্ৰিয় বা অন্তঃকৰণে বাহ্যবস্তুৰ আকাৰ প্ৰদান কৰি প্ৰপঞ্চ জগতৰ অভিজ্ঞতা লাভ কৰে। জাগ্ৰত অৱস্থাৰ সকলো জ্ঞান আৰু অভিজ্ঞতা অন্তঃকৰণৰ স্বাভাৱিক বৃত্তিৰ পৰাই উদ্ভৱ হয়। কিন্তু সুষুপ্ত অৱস্থাত অন্তঃকৰণ স্বকীয় কাৰণ অবিদ্যাৰ মাজতে অভিভূত হয়। যথাৰ্থ জ্ঞানৰ উদ্ভৱ হ'লে মায়া বা অবিদ্যা সম্পূৰ্ণৰূপে বিনাশ হয় আৰু ব্যক্তিৰ সত্তাস্বৰূপ সাক্ষী চৈতন্যই ব্ৰহ্মৰ সৈতে অভেদ স্বৰূপ লাভ কৰে আৰু চিৰন্তন মুক্তি লাভ কৰে। এই মুক্তিৰ অৰ্থ হৈছে সাক্ষী জীৱাত্মাৰ নিজৰ যথাৰ্থস্বৰূপ শুদ্ধ চৈতন্য পুনৰ লাভ কৰা।

আমাৰ তথাকথিত বাস্তৱ জগত সম্বন্ধে শংকৰাচাৰ্যৰ অদ্বৈত বেদান্তৰ মত কি? আগতেই কোৱা হৈছে শংকৰাচাৰ্যৰ মতে সত্য বা যথাৰ্থ সৎ কেৱল ব্ৰহ্ম বা পৰমাত্মা। দৃশ্যজগত আমাৰ দৃষ্টিত বাস্তৱ, ই অলীক নহয়। আমাৰ সাধাৰণ দৈনন্দিন জীৱনত জগত আৰু ইয়াৰ সকলো বস্তুৰেই এই দৃষ্টিভংগীত অস্তিত্বপূৰ্ণ আৰু সৎ। এনে সত্তাক অদ্বৈত বেদান্তই ব্যৱহাৰিক সৎ বা সত্য বুলি আখ্যা দিছে। যেনেকৈ টোপনিত সপোনত দেখা নানা স্বপ্নজাত বস্তুৰেই টোপনি আৰু সপোনৰ অৱস্থা থাকে মানেই সত্য, কিন্তু সপোনৰ পৰা সাৰ পালেই সেই সকলো মিছা বুলি জ্ঞান হয়; সেইদৰে আমাৰ সাক্ষী আত্মাৰ যথাৰ্থ জ্ঞানৰ উদয় নহয় মানে জগতৰ অলীকতা আৰু নিজস্ব স্বৰূপৰ সম্যক উপলব্ধি হ'ব নোৱাৰে। সপোন ব্যক্তিগত জীৱৰহে ৰচনা। কিন্তু জগতৰ সত্তাৰ বোধ জীৱ মাত্ৰৰেই সাধাৰণ বোধ। ইয়াকেই জাগতিক ভ্ৰম (cosmic illusion) বোলা হৈছে। ইয়াৰ সাৰ্বিক কাৰণ ঈশ্বৰেই। মায়াই বিক্ষেপ শক্তিৰে যথাৰ্থ সত্তাৰ ওপৰত আৰোপ বা আৱৰণ দি ভ্ৰান্তিৰ সৃষ্টি কৰে। কিন্তু অবিদ্যা বা অজ্ঞানে জীৱৰপৰা সত্তাৰ অভেদ গোপন কৰি বা আবৃত কৰি নাম-ৰূপ বিশিষ্ট নানাত্বৰ ছবি উদঙাই ধৰে। পৰা বা পৰম ব্ৰহ্মই এই মায়াশক্তিৰ আশ্ৰয় আৰু বিষয়। শুদ্ধ জ্ঞান উদয় হ'লে মায়া লোপ পায় আৰু জীৱৰ সাক্ষী চৈতন্যই স্বৰূপ উপলব্ধি কৰিলে ভ্ৰমশূন্য হৈ অভেদ উপলব্ধি হয় আৰু সেয়ে জীৱন্মুক্তি। যেতিয়া শৰীৰী জীৱন্মুক্তৰ শৰীৰৰ বিনাশ বা মৃত্যু হয়, তেতিয়া বিদেহ মুক্তি হয়গৈ।

91. অদ্বৈত বেদান্ত দৰ্শনৰ বিষয়বস্তু সম্পৰ্কে পাঠটিত কি কোৱা হৈছে?

(1) ব্ৰহ্মৰ সগুণত্ব-নিৰ্গুণত্ব আৰু বিশুদ্ধ জ্ঞান সম্পৰ্কে কোৱা হৈছে।

(2) ব্ৰহ্মৰ সত্য আৰু ভগৱানৰ প্ৰপঞ্চ ৰূপৰ বিষয়ে কোৱা হৈছে।

(3) ব্ৰহ্মৰ সজ্ঞানৰূপ, প্ৰকাৰবিহীনতা, নিৰ্গুণতা আৰু চৈতন্য স্বৰূপ সম্পৰ্কে কোৱা হৈছে।

(4) ব্ৰহ্মৰ সততা আৰু অসৎ বা প্ৰপঞ্চৰ সৈতে অভেদ ৰূপৰ কথা কোৱা হৈছে।

92. 'প্ৰপঞ্চ জগত' শব্দটো কি অৰ্থত প্ৰয়োগ কৰা হৈছে?

(1) পৰম ব্ৰহ্মৰ জগত অৰ্থত।

(2) ব্ৰহ্মই সৃষ্টি কৰা অসৎ বা অবিদ্যাৰ জগত অৰ্থত।

(3) মায়ামোহাচ্ছন্ন আৰু সৎ পাৰ্থিব জগত অৰ্থত।

(4) ব্ৰহ্মৰ সৰ্বব্যাপিত্বৰ অৰ্থত প্ৰয়োগ কৰা হৈছে।

93. সাংখ্য-যোগ মনস্তত্ত্বতো বহিৰ্জগতৰ বস্তুবোৰ চিত্তবৃত্তিৰ প্ৰতিফলন মাথোন বুলি কোৱাৰ কাৰণ কি?

(1) অতিৰিন্দ্ৰিয়ই প্ৰত্যক্ষ কাৰ্যত ইন্দ্ৰিয়ৰ সংস্পৰ্শত অহা বাহ্য বস্তুৰ আকাৰত পৰিণত হৈ প্ৰপঞ্চ জগতৰ অভিজ্ঞতা লাভ কৰাৰ বাবে।

(2) বাহ্য জগতৰ জ্ঞান হবলৈ মনে অজ্ঞাতসাৰে বোধশক্তিক অসহযোগ কৰাৰ বাবে।

(3) যথাৰ্থ জ্ঞানৰ উদয় হলে ব্যক্তিসত্ত্বাৰ সম্পূৰ্ণভাৱে বিনাস হয় বাবে।

(4) জাগ্ৰত অৱস্থাৰ সকলো জ্ঞান আৰু অভিজ্ঞতা ব্যাহ্যিক বৃত্তিৰ পৰাই উদ্ভৱ হয়।

94. পাঠটিত উদ্ধৃত 'জাগতিক ভ্ৰম'ৰ অৰ্থ কি?

(1) আত্মাৰ যথাৰ্থ জ্ঞান আৰু জগতৰ অলীকতা তথা নিজস্ব ৰূপৰ উপলব্ধি হীনতাই হৈছে জাগতিক ভ্ৰম।

(2) জগতৰ অলীক কল্পনা উপলব্ধি কৰাই হৈছে জাগতিক ভ্ৰম।

(3) আত্মাৰ যথাৰ্থ জ্ঞান আৰু জগতৰ অলীকতাৰ জ্ঞান উপলব্ধি কৰাই হৈছে জাগতিক ভ্ৰম।

(4) জগতৰ সত্তা আৰু পৰম সত্তাৰ বোধ জীৱ মাত্ৰই উপলব্ধি কৰাই হৈছে জাগতিক ভ্ৰম।

95. পাঠটিক কি ধৰনে নামকৰণ কৰিবা?

(1) দৰ্শনৰ পৰিচয়

(2) বেদান্ত দৰ্শন আৰু শঙ্কৰদেৱৰ ধৰ্মমত

(3) বেদান্ত দৰ্শন আৰু শঙ্কৰাচাৰ্য্য

(4) বৈষ্ণৱ দৰ্শন আৰু শঙ্কৰদেৱ

তলত দিয়া খণ্ডটো মনোযোগেৰে পঢ়া আৰু **96** ৰ পৰা **100** লৈকে সংলগ্ন প্ৰশ্নকেইটাৰ **শুদ্ধ** উত্তৰ (1), (2), (3), (4) বিকল্পৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ।

তিব্বত বা ভোট-বৰ্ম্মী ভাষীসকল মঙ্গোলীয় জাতিৰ মানুহ। তেওঁলোকৰ আদিম বাসস্থান আছিল চীনদেশৰ উত্তৰ-পশ্চিম অঞ্চলৰ হোৱাং-হো, ইয়াং-চি-কিয়াং নদীৰ উপত্যকাত। এই নদীৰ বাট ধৰিয়েই খৃষ্টপূৰ্ব প্ৰায় দুহেজাৰ বছৰৰ পূৰ্বে তেওঁলোক চীনদেশৰ বিভিন্ন অঞ্চলত সিঁচৰতি হৈ পৰে। কেইটিমান শাখাই ব্ৰহ্মপুত্ৰ, চিণ্ডুইন, ইৰাৱতী, চালউইন, মেনন, মেখং নদীয়েদি ভাৰতবৰ্ষ, ব্ৰহ্ম, শ্যাম, অসম দেশলৈ আহে। সম্ভৱতঃ তিব্বতত থাকোঁতে ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰতে প্ৰায় হেজাৰ বছৰৰ পূৰ্বে তেওঁলোকৰ বিচ্ছেদ ঘটে। তিব্বতত থকা দলটোৱে ভোট বা বোদ্ নাম লয়। ব্ৰহ্মপুত্ৰইদি অসমত সোমোৱা দলটোৰ নাম হয় বড়ো বা বডো। বৰ্ম্মী নামৰ তৃতীয় দলটো ইৰাৱতী আৰু চিণ্ডুইন নদীয়েদি ব্ৰহ্মদেশ পায়গৈ।

তিব্বত-বৰ্ম্মী ভাষাশ্ৰেণী পূৰ্বে উল্লেখ কৰা শ্যাম-চীন (তিব্বত বা ভোট-চীন) ভাষা-গোষ্ঠীৰ অন্তৰ্গত। ভাষাতত্ত্ববিদসকলে শ্যাম-চীন ভাষাক চাৰি শ্ৰেণীত ভগাইছে। চীন, আনামী, তিব্বতী, বৰ্ম্মী আৰু শ্যামী বা থাই। তিব্বত-বৰ্ম্মীক আকৌ তিনিটা সুকীয়া ভাগ কৰা হৈছে,– তিব্বত-হিমালয়ী, অসম-বৰ্ম্মী আৰু উত্তৰ-অসম উপশাখা। তিব্বত-হিমালয়ী শ্ৰেণীৰ কোনো ভাষা অসমত নাই। অসম-বৰ্ম্মী শাখাৰ ভিতৰত হৈছে – বড়ো, নগা, কুকি-চীন কচিন, বৰ্ম্মী, লোলোমচু আৰু সক বা লুই।

বড়ো শাখাৰ ভিতৰত হৈছে, কছাৰী বা বড়ো, লালুং, ডিমাচা, গাৰো, কোচ, ৰাভা, ত্ৰিপুৰা, চুটীয়া আৰু মৰাণ।

নগা শাখাক পাঁচ ভাগত ভগোৱা হৈছে – নগা-বড়ো, পশ্চিম-নগা শাখা, মধ্য-নগা শাখা, পূব-নগা শাখা, নগা-কুকি শাখা।

কুকি-চীনৰ ভিতৰত মেইতেই বা মণিপুৰী, কুকি আৰু লুচাই পাহাৰ বা মিজোৰামৰ বিভিন্ন চীন ভাষা। বাকী তিনিটা ভাষা-ভাষী অসমত নাই। অঁকা (হ্রুচো)' আবৰ, মিৰি, ডফলা আৰু মিচিমি ভাষা উত্তৰ-অসম শাখাৰ অন্তৰ্গত।

শ্যাম বা থাই পৰিয়ালৰ ভাষা ভাৰতবৰ্ষ, ব্ৰহ্ম, শ্যাম, চীনত বিয়পি আছে। থাই-ভাষীসকল আদিতে ইউনান প্ৰদেশৰ মানুহ আছিল। তেওঁলোকৰ নাম আছিল তাই লং (শ্ৰেষ্ঠ তাই)। তাৰেপৰা প্ৰায় দুহেজাৰ বছৰৰ পূৰ্বে তেওঁলোক ব্ৰহ্মদেশলৈ যায়। খৃষ্টাব্দ ছয় শতিকাত ইউনানৰপৰা তেওঁলোকৰ কেইটিমান দলে চালউইন নদীৰ উপত্যকালৈ গৈ সুকীয়া ৰাজ্য স্থাপন কৰে।

96. মঙ্গোলীয় প্ৰজাতিৰ তিব্বত বা ভোট-বৰ্ম্মীভাষী সকল কোন পথেৰে আহি চীনদেশত সিঁচৰতি হৈ পৰে?

(1) তেওঁলোকৰ আদিম বাসস্থান চীনদেশেই আছিল আৰু তাৰ পৰাই বিভিন্ন স্থানলৈ বিয়পি পৰে।

(2) চীনদেশৰ হোৱাং-হো, ইয়াং-চি-কিয়াং নদীৰ উপত্যকাত তেওঁলোকৰ বাসস্থান আছিল আৰু তাৰ পৰাই প্ৰব্ৰজন কৰিছিল।

(3) চীনদেশৰ উত্তৰ পশ্চিম অঞ্চলৰ হোৱাং-হো, ইয়াং-চি-কিয়াং নদীৰ উপত্যকাত বসবাস কৰা হেতুকে সেই নদীকেইখনৰ পথেৰেই আন ঠাইলৈ গতি কৰি চীনদেশত সিঁচৰতি হৈ পৰে।

(4) চীনদেশৰ হোৱাং-হো, ইয়াং-চি-কিয়াং নদীৰ উপত্যকাত তেওঁলোকৰ বাসস্থান আছিল আৰু তাৰ পৰাই বিভিন্ন পথেৰে আহি চীনদেশত সিঁচৰতি হৈ পৰে।

97. তিব্বত-বৰ্ম্মী ভাষীসকল চীনদেশৰ পৰা কোনটো পথেৰে আহি অসম সোমায়হি?

(1) ব্ৰহ্মপুত্ৰ, চিণ্ডুইন, ইৰাৱতী, চালউইন, মেনন, মেখং নদীয়েদি অসমলৈ আহে।

(2) ইৰাৱতী, চিণ্ডুইন নদীয়েদি আহি অসম সোমায়হি।

(3) মেনন, মেখং নদীয়েদি ভাৰতবৰ্ষ তথা অসম সোমায়হি।

(4) ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদীয়েদি আহি অসম সোমায়হি।

98. চীনদেশৰ পৰা অহা কেইটিমান তিব্বত-বৰ্ম্মী ভাষী লোকৰ দল পৰৱৰ্তীকালত তিব্বতত কেইটি ভাগত ভাগ হয়?

(1) ব্ৰহ্মপুত্ৰইদি এটা দল অসমত সোমায় আৰু আনটো দল ইৰাৱতী চিণ্ডুইন নদীয়েদি ব্ৰহ্মদেশ সোমায়।

(2) চীনদেশ, তিব্বত, ব্ৰহ্মদেশ আৰু অসম-এই চাৰিটা শাখাত বিভক্ত হয়।

(3) ব্ৰহ্মপুত্ৰইদি অসমলৈ সোমোৱা দলটো বড়ো বা বডো, ইৰাৱতী, চিণ্ডুইন নদীৰে ব্ৰহ্মদেশত এটা ঠাল প্ৰৱেশ কৰে আৰু তিব্বতত ভোট বা বোদ্ নামেৰে এটা ঠাল ৰৈ যায়- এই তিনিটা ভাগত বিভক্ত হয়।

(4) চীনদেশ, ভাৰতবৰ্ষ, ব্ৰহ্মদেশ, শ্যামদেশ আৰু অসমলৈ পাঁচোটা ভাগত প্ৰব্ৰজন কৰে।

99. শ্যামচীন ভাষাগোষ্ঠীৰ অন্তৰ্গত তিব্বত-বৰ্ম্মী ভাষাশ্ৰেণীক লেখকে কি কি শ্ৰেণীত ভাগ কৰিছে?

(1) চীন, আনামী, তিব্বতী, বৰ্ম্মী আৰু শ্যামী বা থাই

(2) বড়ো, নগা, কুকিচীন, কচিন, বৰ্ম্মী, লোলোমচু আৰু সক বা লুই

(3) তিব্বত-হিমালয়ী, অসম-বৰ্ম্মী আৰু উত্তৰ অসম উপশাখা

(4) কছাৰী বা বড়ো, লালুং, ডিমাচা, গাৰো, কোচ, ৰাভা, ত্ৰিপুৰা, চুটীয়া আৰু মৰাণ

100. খণ্ডটোক তলৰ কোনটো অভিধাৰে শিৰোনাম দিবা?

(1) শ্যামচীন ভাষাৰ ইতিহাস

(2) মঙ্গোলীয় জাতিৰ ইতিবৃত্ত

(3) তিব্বত বা ভোট-বৰ্ম্মী ভাষাৰ শ্ৰেণীবিভাজন

(4) তিব্বত বা ভোট-বৰ্ম্মী ভাষীৰ প্ৰব্ৰজনৰ ইতিহাস

- o 0 o -

Space For Rough Work